Home ----------

About Us -

Rajasthan Education Initiative – Public Private Partnership Component Under SSA Rajasthan.

Introduction:

The Rajasthan Education Initiative (REI) a Public Private Partnership Programme launched in year 2005 promotes the State's educational objectives by focusing on improving the delivery of educational services by engaging with global and local partners from the private sector, foundations and NGOs with the aim of providing **Quality Education** to the society.

The REI is driven by the State Government and was initially supported by the activities of the Core Partners namely the Confederation of Indian Industries (CII) the Global e schools and Communities Initiative (GeSCI) and the World Economic Forum (WEF).

Objectives (Measurable desired outcomes):

The REI seeks to bring a new educational paradigm to the State based on the following strategies:

- Evolving innovative and locally appropriate models of PPPs with a high potential for being scaled up, for improving educational outcomes.
- Adopting and adapting best practices from both the public and private sector while ensuring community participation.
- Deploying new technologies, particularly ICTs, for modernizing educational service delivery, skill development and quality learning.
- Creating system for enabling great community participation in the State's educational Programme.
- Focus efforts on serving underprivileged communities in urban and rural areas as well as on the girl children and children with special needs.
- Demonstrating the success of such public-private partnership interventions by evaluating its impact on students with reference to the over all objectives of the Sarva Shiksha Abhiyan.

Generated by CamScanner from intsig.com

Process (Implementation Strategies):

To achieve the desired goals and objectives of REI to broad areas can be identified:

1. Information and Communication Technology (ICT)
2. Non Information and Communication Technology (Non ICT)

1. Information and Communication Technology (ICT) :

- Identify sufficient number of schools where ICT may be introduced as a part of education of students so as to ensure computer literacy and there after imparting education through syllabus and curriculum development specially for computer education in all subjects.
- To examine the potential of the Computer Aided Learning Programme under SSA.
- To utilize the existing Districts Computer Education and Training Centers at every District Head Quarters in a public private partnership modal.

2. Non Information and Communication Technology (Non ICT) :

PPP in the context of non-ICT segment under REI is used as a concept promoting Quality Education in the form of Various Social responsibility concerns of corporate industrial houses and other foundations in certain identified areas like.

- Adoption of Schools for providing necessary infrastructure and other specific needs of the schools.
- Adoption of Schools for management and maintenance costs of schools
- Adoption of Schools for providing academic support and quality education.
- Girl Education
- Children with special needs
- Identification and mainstreaming of out of school children in underprivileged and hard core areas.
- Other academic areas related to quality education.

Resources:

In addition to the budgetary resources of the Government of the Rajasthan under Sarva Shiksha Abhiyan, funds from the Government of the India under Sarva Shiksha Abhiyan other sources of funding for the REI and its projects include donor funding and financial contributions from private sector partners.

Generated by CamScanner from intsig.com

Responsibility & Time Line:

Under PPP in the context of REI various MoUs are signed with reputed corporate houses, NGOs and Foundations wherein the specific roles and responsibilities alongwith their financial implications and time lines of MoU deliverables are clearly mentioned.

Monitoring & Support system:

Under REI each approved project puts in place appropriate management and supervisory structure in the form of Programme Management Office at state, district and school levels (at the level of Government) and Project and District Coordinators (at the level of private partners) to monitor, supervise and support different stake holders to ensure effective implementation of the MoU deliverables.

Generated by CamScanner from intsig.com

MoU Performa

The Memorandum of Understanding-cum-agreement is signed on this .... (Date) Between the government of Rajasthan through Mr./Mrs. .... (Name), Designation and .... (Name of Partner/Partners Agency/Foundation) with complete address here in after called ...., through its authorized representative Mr./Ms. .... Name & Designation.

1. Back ground/Project Overview
2. Objectives of the project.
3. project responsibilities of different partners.
4. Time Period of the MoU.
5. Project Implementation Area.
6. MoU deliverable with clear cut time line.
7. Project cost sharing detailed Terms & condition.
8. Modification/ Termination Condition.
9. Any other additional/ relevant point.
10. Annexures if necessary (To be annexed in last)

In witness where of the parties here into have set their respective hands and seals on the day, month and year first here in before mentioned.

For Government of Rajasthan	For ....
....	....
Name	Name ....
Post	Post ....
Witness	witness
1.	1. ....
Name	Name ....
Organization	Organization ....
Designation	Designation ....

Generated by CamScanner from intsig.com

Status -

महत्वपूर्ण उपलब्धियां (अप्रेल 2011 – मार्च, 2012)

राजस्थान एज्यूकेशन इनिशियेटिव के उद्देश्यों की उपलब्धि हेतु राज्य सरकार द्वारा प्रारम्भिक एवं माध्यमिक शिक्षा के बहुआयामी विकास के लिये 39 Non ICT एवं 19 ICT तथा 2 Partnership Document हस्ताक्षरित किए जा चुके हैं।

- **वर्तमान में क्रियाशील एम.ओ.यू. निम्न प्रकार से हैं :–(जो आवश्यकता के आधार पर राज्य के कुछ चिन्हित जिलों में ही क्रियाशील हैं)**

क्र.	पार्टनर का नाम	अवधि	उद्देश्य	जिन जिलों में कियाशील है
1	माइक्रोसॉफ्ट	17 अगस्त 2005 से 31 दिस0 2010	• परिषद् कार्यालय पर राज्य स्तरीय कम्प्यूटर अकादमी की स्थापना एवं कम्प्यूटर शिक्षक प्रशिक्षण (जयपुर, दौसा, अजमेर एवं टोंक) • 11 प्रशिक्षण स्थलों में 21 जिलों में कल्प विद्यालयों के शिक्षकों के अतिरिक्त सभी शिक्षकों को कम्प्यूटर प्रशिक्षित करने का लक्ष्य।	सिरोही, भीलवाडा, झालावाड झुन्झुनु, अलवर, चूरू, हनुमानगढ, बीकानेर,जोधपुर, उदयपुर, जयपुर
	▪ एमओयू का विस्तार (Addendum)	1 जन0 2011 से 31 दिस0 2011	• शिक्षक प्रशिक्षण व क्षमता संवर्द्धन ।	उपरोक्तानुसार
	▪ एमओयू का विस्तार (Addendum)	1 जन0 2012 से 30 जून 2012 तक	• उपरोक्तानुसार।	
	▪ एमओयू का विस्तार (Addendum)	IT अकादमी 1 जुलाई 2012 से 30 जून 2013		
2	फाउण्डेशन टू एजूकेट गर्ल्स ग्लोबली एमओयू का विस्तार	02.02.2008 19.2.2010 से 18.02.2012	• जिले के प्रारम्भिक शिक्षा के समस्त विद्यालयों में कियाशील • लिंग भेद में न्यूनता लाना • बालिकाओं के नामांकन में वृद्धि तथा ड्रॉप–आउट में न्यूनता लाना • गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के द्वारा बालिकाओं में आत्मनिर्भरता लाना। • सामाजिक जागरूकता। • पाली जिले की सभी कस्तुरबा गांधी आवासीय विद्यालयों की बालिकाओं एवं केजीबीवी शिक्षकों हेतु CLT प्रशिक्षण एवं लाईफ स्किल प्रशिक्षण गतिविधियां आयोजित करना।	पाली
	एमओयू का विस्तार (Addendum)	अप्रेल, 2011 से मार्च, 2013	• जिला जालौर के समस्त प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय में उपरोक्तानुसार बालिका शिक्षा के संवर्द्धन के प्रयास हेतु।	जालौर

Generated by CamScanner from intsig.com

क्र.	पार्टनर का नाम	अवधि	उद्देश्य	जिन जिलों में क्रियाशील है
3	इन्टेल	21 अक्टूबर, 2005 से लगातार	• 3600 सैकण्डरी तथा कल्प विद्यालयों के शिक्षकों को कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रदान करना • जिला कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्रों को स्व:पोषित गतिशील व्यापारिक केन्द्र के रूप में विकसित करना	• प्रथम चरण में जिला कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र जयपुर अजमेर, कोटा, बीकानेर, जोधुपर, उदयपुर में कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया गया • द्वितीय चरण में दौसा, पाली, टोंक, चित्तौडगढ एवं बूंदी जिलों की डीसीईसी में कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया गया • तृतीय चरण में बांरा, भरतपुर, डूंगरपुर, जालौर एवं सवाईमाधोपुर जिलों में जनवरी, 2008 से कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया जा रहा है।
4	बोध शिक्षा समिति, जयपुर • एम.ओ.यू. का विस्तार (Addendum) • एम.ओ.यू. का विस्तार (Addendum)	21 अक्टूबर, 2005 (SSA Time Period 2010) 18.2.2010 से (SSA Time Period 25-01-2012 से (SSA Time Period	• जयपुर शहर में सुविधा एवं असुविधा वाले परिक्षेत्रों में आउट ऑफ चिल्ड्रन की पहचान • बोध विद्यालय व सन्दर्भ केन्द्र की स्थापना • विद्यालय विकास हेतु सामुदायिक सहभागिता बढ़ाना • पूर्वी राजस्थान के केजीबीवी एवं अलवर जिला • शिक्षा से वंचित बालक बालिकाओं को गुणात्मक प्रारम्भिक शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के प्रयास हेतु।	• जयपुर शहर के अरबन एवं स्लम एरिया में क्रियान्वयन। • जयपुर एवं अलवर जिला। • जयपुर ग्रमीण, जिला करौली व दौसा।
5	ICICI Foundation for Inclusive Growth	28.04.2011 से 28.03.2017	• आईसीआईसीआई फाउण्डेशन, एसआईईआरटी उदयपुर एवं सम्बन्धित डाइट के माध्यम से सेवा पूर्व एवं सेवारत शिक्षक शिक्षा पाठ्यचर्या, पाठ्यपुस्तक निर्माण, शिक्षक प्रशिक्षण एवं दो जिलो के एक एक ब्लॉक के विद्यालयों को आरटीई 2009 के संदर्भ में आदर्श विद्यालय बनाना आदि।	जिला चुरू (ब्लॉक सुजानगढ़) जिला बांरा (ब्लॉक अटरू)
6	Bharti Foundation Phase-I	23.8.07 से 23.07.2017	अलवर के नीमराना एवं जयपुर के आमेर ब्लॉक के 25–25 राप्रावि./राउप्रावि. विद्यालयों को गोद लेकर गुणात्मक प्रारम्भिक शिक्षा प्रदान करने हेतु।	भारती फाउण्डेशन को 49 विद्यालय (24 ब्लॉक आमेर जिला जयपुर व 25 ब्लॉक नीमराणा जिला अलवर)

Generated by CamScanner from intsig.com

क्र.	पार्टनर का नाम	अवधि	उद्देश्य	जिन जिलों में कियाशील है
7	Room to Read	26.05.08 से 26.04.2011	• कक्षा 1 व 2 के विद्यार्थियों में रीडिंग हैबिट विकसित करना • कक्षा 3 से 5 के विद्यार्थियों में पढने व लिखने की प्रक्रिया में संवलन प्रदान करना। • विद्यालयों में रीडिंग कार्नर ओर नोडल पुस्तकालयों की स्थापना। • विद्यालयों में पुस्तक बैंक एवं लाईब्रेरी की स्थापना • प्राईमरी रीडिंग एन्हेन्समेंट प्रोग्राम (PREP) का कियान्वयन। • उपरोक्तानुसार तथा बालिका शिक्षा के संवर्द्धन के प्रयास हेतु	जिला अजमेर के अराई, केकड़ी, श्रीनगर व भिनाय ब्लॉक
	• एम.ओ.यू. का विस्तार (Addendum)	18.06.10 से 30.06.2012		जिला बाडमेर के गुडामलानी ब्लॉक, जिला जोधपुर के फलोदी ब्लॉक, जिला अजमेर के मसूदा ब्लॉक तथा जिला सिरोही के आबू रोड ब्लॉक ।
	• एम.ओ.यू. का विस्तार (Addendum)	18.11.2011 से 30. 06.2014		अजमेर,जोधपुर,सिरोही,टोंक जिले।
8	Amber Trust	26.05.08 से 26.04.2013	• जयपुर के विद्यालयों में न्यूनतम भौतिक सुविधायें सुनिश्चित करना प्रथम चरण में 13 विद्यालय द्वितीय चरण में 12 विद्यालय • कम्प्यूटर प्रशिक्षण • विद्यार्थी एवं समुदाय को शिक्षा के विकास में जोड़ना • शिक्षकों का विकास	जयपुर (आमेर)
9	Ajay G. Piramal Foundation	22.08.08 से 31.08.2011	• प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों के 100 संस्था प्रधानों को शैक्षिक परिवर्तनों के अग्रणी के रूप में प्रशिक्षण द्वारा क्षमता अभिवर्द्धन	झुंझुनु व चूरू
	• एम.ओ.यू. का विस्तार (Addendum) Piramal Foundation for Education Leadership (PFEL)	29.09.2011 से 31. 08.2014	• उपरोक्तानुसार	झुंझुनु व चूरू
10	Sight Savers	06.05.2010 से 06.04.2013	• न्यून दृष्टि दोष व अंध दोष से पीड़ित समस्त बालक बालिकाओं का चिन्हीकरण, मूल्यांकन कर उन्हें आवश्यक सहायक सामग्री व यंत्र उपलब्ध करवाना, नामांकन सुनिश्चित कर उन्हें ब्रेल पद्धति में लिखने व पढ़ने हेतु प्रशिक्षण व टी.एल.एम. प्रदान करना। • समावेशित शिक्षा की योजना, क्रियान्विति व मॉनिटरिंग हेतु मानवीय व तकनीकी संबलन प्रदान करना • बाड़मेर में 4 व जैसलमेर में 2 आधुनिक सुविधाओं युक्त मॉडल रिर्सोस कक्ष स्थापित करना	बाड़मेर व जैसलमेर

Generated by CamScanner from intsig.com

क्र.	पार्टनर का नाम	अवधि	उद्देश्य	जिन जिलों में कियाशील है
			• बांसवाडा, भीलवाड़ा, भरतपुर, जैसलमेर व बाड़मेर में न्यून दृष्टि दोष सर्वे हेतु तकनीकी सम्बलन प्रदान करना	
11	Bodh Shiksha Samiti/Unicef (CCE)	05.05.2010 से अप्रेल 2013	• राज्य के जिला जयपुर एवं अलवर के 60 विद्यालयों में सी.सी.ई. पायलेट प्रोजेक्ट।	जयपुर, अलवर
12	Hindustan Zinc /Vedanta Foundation	15.07.2010 से 14.07.2013	• उच्च प्राथमिक विद्यालयों के कल्प विद्यालय में ई–कंटेन्ट उपलब्ध करवाना एवं शिक्षकों का प्रशिक्षण करवाना।	भरतपुर, उदयपुर, भीलवाडा, राजसमन्द, चित्तौडगढ, बांसवाड़ा व डूंगरपुर
13	Block Excellence Programme by Pratham Rajasthan	23.08.2010 से अगस्त 2013	• राज्य के 11 जिले (9 ब्लॉक एक्सीलेंस प्रोग्राम जिले तथा 2 रिसोर्स सेन्टर के जिले) में 3630 विद्यालयों (लहर विद्यालयों के अतिरिक्त) के कक्षा 1 व 2 के विद्यार्थियों के लर्निंग लेवल को बढ़ावा देने हेतु।	जोधपुर, अजमेर, करौली, जयपुर, झालावाड़, उदयपुर, बासवाड़ा, डूंगरपुर, जालौर, नागौर, बीकानेर
14	Plan Internation	12.10.2011 से 12. 09.2014	• बीकानेर जिले के समस्त केजीबीबी में बालिका शिक्षा के गुणात्मक एवं संख्यात्मक संवर्द्धन हेतु	जिला बीकानेर के समस्त केजीबीबी
15	Save the Children	05.12.2011 से 5. 11.2014	• अजमेर जिले के समस्त केजीबीबी में बालिका शिक्षा के गुणात्मक एवं संख्यात्मक संवर्द्धन हेतु	जिला अजमेर के समस्त केजीबीबी
16	Foundation for Education and Development (Doosra Dashak)	13.03.2012 से 113.02..2016	• अजमेर जिले के पीसांगन ब्लॉक के राजकीय प्रारम्भिक विद्यालयों को आर.टी.ई 2009 के संदर्भ में आदर्श विद्यालय बनाने हेतु।	जिला अजमेर का पीसांगन ब्लॉक

Generated by CamScanner from intsig.com

- वर्तमान में क्रियाशील एम.ओ.यू. निम्न प्रकार से है :–(जो राज्य के सभी/अधिकांश जिलों में क्रियाशील हैं)

1.	Interactive Radio Instruction Program of Education Development Center (EDC)	22.09.08 से 30.09.2011 01-10-2011 से सत्र 2012–13 तक	• वर्ष 2012–13 में भी आई.आर.आई. कार्यक्रम के तहत् 122 रेडियो पाठों का प्रसारण आकाशवाणी से किया जायेगा जिसके विस्तृत निर्देश प्रसारण से पूर्व जिलों को भिजवाये जायेंगे। सभी जिला स्तरीय एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी स्कूल विजिट के समय परिशिष्ट–1 पर उपलब्ध मॉनिटरिंग फार्मेट के अनुसार इस कार्यक्रम की मॉनिटरिंग कर अपनी समेकित रिपोर्ट जिला स्तरीय परियोजना कार्यलय के माध्यम से परिषद् की आर.ई.आई. शाखा को भेजते रहेंगे।	राज्य के 30 जिलों में(डूंगरपुर, बांसवाड़ा बाड़मेर के अलावा) में संचालित हैं। बाड़मेर, बासंवाड़ा व डूंगरपुर में रेडियो प्रसारण तकनीकी कारणों से सम्भव नहीं हो पा रहा हैं।
2.	Life Line Education by One World South Asia & UNICEF एम.ओ.यू. का विस्तार (Addendum) एम.ओ.यू. का विस्तार (Addendum)	26.05.08 से 16.05.09 17.2.2010 से 31.12.2010 01.01.2011 से 31.12.2012	टोल फ्री शैक्षिक हैल्पलाइन नम्बर 1800–11–7273 के द्वारा प्रारम्भिक शिक्षा के विद्यालयों के शिक्षकों के विषय–वस्तु संबंधी प्रश्नों का विषय विशेषज्ञों द्वारा निदान। • अध्यापकों को अपनी शैक्षिक समस्याओं का समाधान 48 घण्टों में प्राप्त हो जायेगा। प्रश्न पूछने एवं उत्तर प्राप्त करने की विधि परिशिष्ट–2 पर दी गई है।	समस्त जिले

Generated by CamScanner from intsig.com

परिशिष्ट – 1

(मोनिटरिंग फॉर्मेट आई.आर.आई. कार्यक्रम हेतु)

जिला ———————— ब्लॉक———————— दिनांक ————————

1. विद्यालय का नाम ————————————————
2. विद्यालय में रेडियो उपलब्ध है ———————— हाँ/नहीं
3. क्या यह क्रियाशील है ————————हाँ/नहीं, यदि नहीं तो कारण लिखें ————————

————————————————————————

————————————————————————

————————————————————————

4. क्या विद्यालय में आई.आर.आई. प्रशिक्षित शिक्षक/शिक्षिका हैं ———————— हाँ/नहीं, यदि हाँ तो संख्या लिखें————
5. क्या प्रशिक्षित शिक्षक द्वारा ही आई.आर.आई. कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है, हाँ/नहीं, यदि नहीं तो कारण लिखें ————————————————

————————————————————————

————————————————————————

————————————————————————

6. क्या विद्यालय में आई.आर.आई. शिक्षक संदर्शिका उपलब्ध है– हाँ/नहीं ————————
7. क्या शिक्षक द्वारा इसे उपयोग में लिया जा रहा है– हाँ/नहीं ————————
8. आई.आर.आई. कार्यक्रम का विद्यार्थियों पर प्रभाव ————————

————————————————————————

————————————————————————

————————————————————————

9. अन्य सुझाव ————————————————

दिनांक

हस्ताक्षर

(नाम व पद)

Generated by CamScanner from intsig.com

परिशिष्ट – 02

लाईफलाइन कार्यक्रम (वन वर्ल्ड साउथ एशिया)

- शैक्षिक हैल्पलाइन सेवा के द्वारा टोल फ्री टेलीफोन नं. 1800–11–7273 पर सम्पूर्ण राज्य के सभी प्रारंभिक शिक्षा स्तर के शिक्षकों हेतु शैक्षणिक व पैडागोजीकल सम्बलन प्रदान किया जा रहा है।
- लाईफलाइन कार्यक्रम का संचालन **SIERT** उदयपुर में स्थापित हब से किया जा रहा है।
- शिक्षकों द्वारा पूछे गये प्रश्नों का प्रत्युत्तर विषय विशेषज्ञों द्वारा 48 घंटों में दे दिया जाता है।
- टोल फ्री नम्बर की कॉल की अवधि 3 मिनट से अधिक की नहीं होगी।
- यह टोल फ्री नम्बर प्रातः 8 बजे से सांय 6 बजे तक ही क्रियाशील रहेगा।
- विद्यालय निरीक्षण के समय सभी संबंधित को इस टोल फ्री नम्बर की सूचना देवें जिससे कि अधिक से अधिक शिक्षक इस सेवा का लाभ उठा सकें।

लाइफलाईन्स एजुकेशन सेवा (टोल-फ्री टीचर हेल्पलाइन) का प्रयोग कैसे करें :

1800 – 11 – 7273 (*टोल फ्री*) ***या*** 022 – 2778 – 1700 ***नंबर डायल करें***

फ़ोन के निर्देशानुसार हिंदी के लिए *1* **अथवा** अंग्रेजी के लिए *2* **डायल कर भाषा का चयन करें**

. प्रश्न पूछने के लिए *1* **डायल करें अथवा** उत्तर प्राप्त करने के लिए *2* **डायल करें**

प्रश्न पूछने के लिए:	उत्तर प्राप्त करने के लिए:
■ 1 डायल करें और निर्देश सुने ■ बीप आवाज़ के बाद अपना प्रश्न स्पष्ट आवाज़ में बोले ■ प्रश्न बोलने के पश्चात फ़ोन पर बने स्टार (*) बटन को दबाये और निर्देश को सुने ■ अपना प्रश्न सुरक्षित करने के लिए 1 दबाये ■ सुरक्षित करने पर आपको एक 5 अंकों की प्रश्न संख्या मिलेगी ■ प्रश्न संख्या ध्यान से नोट करें ■ उत्तर प्राप्त करने के लिए 48 घंटे के पश्चात वापस फ़ोन करें	■ प्रश्न दर्ज करने के 48 घंटों के पश्चात फ़ोन करें ■ भाषा का चयन करे तथा उत्तर प्राप्त करने के लिए फोन पर 2 डायल करें ■ 2 डायल करने पर आपसे प्रश्न संख्या पूछी जाएगी जो आपको प्रश्न दर्ज करने के उपरान्त मिली थी ■ 5 अंकों वाली प्रश्न संख्या फ़ोन पर डायल करें और उसके बाद फ़ोन पर स्टार (*) बटन दबाएँ ■ आपको उत्तर सुनाई देगा ■ आप 1 डायल करके उत्तर को एक से अधिक बार भी सुन सकते हैं

Generated by CamScanner from intsig.com

Document - VISION DOCUMENT

Photo Gallery - PHOTO

Contact Us -

Smt. Abha Beniwal **Deputy Commissioner** **Rajasthan Education Initiative** **Phone No. 0141-2706069**	**Smt. Amar Jyot Kang** **Deputy Director** **Rajasthan Education Initiative** **Phone No. 0141-2705937**
	Smt. Kiran Khatwani **Asstt., Rajasthan Education Initiative** **Phone No. 0141-2705937**

Generated by CamScanner from intsig.com